भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 777

जिसका उत्तर 07 दिसम्बर, 2023 को दिया जाना है।

.....

ओडिशा में सिंचाई परियोजनाएं

777. श्री जुएल ओरामः

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) ओडिशा राज्य में निष्पादित की जाने वाली मध्यम, बहुउद्देश्यीय और प्रमुख परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है और उनकी संख्या कितनी हैं जो केन्द्रीय जल आयोग के अनुमोदन हेतु लंबित हैं;

(ख) इनमें से प्रत्येक परियोजना के पूरा हो जाने के बाद कुल कितनी हेक्टेयर भूमि को सिंचाई के अंतर्गत लाया जाएगा;

(ग) उक्त परियोजनाओं की अनुमानित लागत कितनी है;

(घ) उक्त परियोजनाओं के लिए कितनी धनराशि निर्धारित की गई है और अब तक कितनी धनराशि जारी की गई है;

(ङ) स्वीकृति में तेजी लाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं; और

(च) इनमें से प्रत्येक परियोजना की वर्तमान स्थिति क्या है?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री (श्री बिश्वेश्वर टुडु)

(क) से (ग) और (च): इस समय केंद्रीय जल आयोग में मूल्यांकन के अंतर्गत पांच (5) मध्यम सिंचाई परियोजनाएं, एक (1) बहुउद्देश्यीय परियोजना और दो (2) प्रमुख सिंचाई परियोजनाएं हैं। इस संबंध में ब्यौरा नीचे दिया गया है।

क्र.सं.	परियोजनाओं का नाम	सिंचित किए जाने वाला क्षेत्र (हेक्टेयर में)	अनुमानित लागत (करोड़ रूपये में)	मुख्य मुद्दे एवं स्थिति
मध्यम सिंचाई परियोजना				
1	चंदरीनाला सिंचाई परियोजना	5,000	अनुमानित नहीं है।	व्यवहार्यता रिपोर्ट की जांच चल रही है।
2	मनकाड़ा सिंचाई परियोजना	9,850	585.46	-वहीं-
3	हिडसिंग सिंचाई परियोजना	2,958	245.49	-वहीं-

4	खाडाखाई मध्यम सिंचाई परियोजना (चरण-II)	5,394	377.26	व्यवहार्यता रिपोर्ट की जांच चल रही है। इसी बीच, केंद्रीय जल आयोग द्वारा झारखंड़ और पश्चिम बंगाल सह-बेसिन राज्यों के साथ इस व्यवहार्यता रिपोर्ट को उनकी टिप्पणियों यदि कोई हों के लिए साझा किया गया है।
5	बंकतीरा बैराज परियोजना	7,300	505.90	व्यवहार्यता रिपोर्ट की जांच चल रही है।
प्रमुख/बहुउद्देश्यीय सिंचाई परियोजना				
6	नाबरंगपुर सिंचाई परियोजना	15,000	278.99	इसके वर्तमान रूप में, इस परियोजना को अंतर-राज्यीय पहलूओं से स्वीकार्य नहीं पाया गया है। संशोधित प्रस्ताव, या छत्तीसगढ़ सह-बेसिन राज्य से अनापत्ति प्रमाण-पत्र राज्य सरकार से उपलब्ध की जानी है।
7	मीडील कोलाब बहुउद्देश्यीय सिंचाई परियोजना	24,543	1,649.12	-वहीं-
8	गोविन्दापल्ली एकीकृत सिंचाई परियोजना	37,126	4,005.54	इस समय केंद्रीय जल आयोग में विभिन्न विशेषज्ञ इकाईयों द्वारा इस परियोजना की जांच चल रही है। अंतर-राज्यीय पहलूओं पर टिप्पणियां नवंबर, 2023 में ओड़िशा को प्रेषित की गई हैं।

(घ): इस मंत्रालय के किसी भी चल रही योजना के अंतर्गत वित्तीय सहायता के लिए किसी भी प्रमुख/मध्यम/बहुउद्देश्यीय सिंचाई परियोजना के समावेशन के लिए एक पूर्वा-अपेक्षित शर्त केंद्रीय जल आयोग द्वारा मूल्यांकित किया जाना है। चूंकि उपरोक्त परियोजनाओं का अभी भी मूल्यांकन चल रहा है, इस स्तर पर उन परियोजनाओं के लिए कोई भी निधि चिन्हित/जारी नहीं की गई है।

(ङ): केंद्रीय जल आयोग में मूल्यांकित की जाने वाली सभी परियोजनाएं ऑनलाइन प्लेटफॉर्म, अर्थात् ईपीएएमएस के माध्यम से प्रस्तुत किया जाना है। यह प्लेटफॉर्म केंद्रय जल आयोग में मूल्यांकन के तहत प्रत्येक परियोजनाओं के लिए मूल्यांकन प्रक्रिया के वास्तविक-समय निगरानी को अनुमति प्रदान करता है। इसके अलावा, वर्ष 2017 में जारी अद्यतन दिशानिर्देशों में, केंद्रीय जल आयोग ने मूल्यांकन प्रक्रिया के लिए सूचक समय-सीमा निर्धारित की है। यह निर्धारित मानदण्ड के लिए विलंब को मापने में सक्षम बनाता है।

*****